

Padma Shri



DR. NIRU KUMAR

Dr. Niru Kumar is a medical doctor and Gender Diversity Consultant. She is a renowned name in the field of Diversity & Inclusion, both nationally and internationally. She is the founder of “Ask Insights”, a Diversity and Inclusion Consulting Organization. She is the National Icon for “No Voter to be Left Behind Campaign” by the Election Commission of India.

2. Born on 12th October, 1961, Dr. Niru had an attack of Polio at the age of 3 years, which paralyzed her left leg. She had to wear full leg callipers since childhood and had three major surgeries from age 16-18. Despite these obstacles she got into Maulana Azad Medical College and got M.B.B.S. Degree. She joined Central Government Health Services in 1987, served 26 years and took voluntary retirement in 2014 to give service to the society.

3. Dr. Niru, despite being more than 40% disabled, began studying the topic of Diversity and Inclusion and was the first person in India to reach out and learn from reputed international thought leaders in this field. She acquired certifications in Mental Health, Hypnotherapy, Reiki and Neuro Linguistic Programming. Having pioneered the D&I conversation in India, she founded “Ask Insights” a Diversity and Inclusion Consulting Organization. She became a Diversity and Inclusion Consultant to Corporates. Tirelessly, she travelled to different locations including remotest corners of India. She trained CEOs, Managers and Factory workers.

4. Dr. Niru is passionate about Women Empowerment and has run very successful Leadership journeys of women leaders in leading organisations. She became the Spokesperson for young aspiring women engineers whose relevance and presence in factories was constantly questioned. Through extraordinary expertise and creativity, she sensitized the men and inspired the women to ensure equity and equality through numerous conversations with top organizational leaders, convincing them of the prevailing bias and showing them a business approach on hiring, retaining and progressing women through sensitization at all levels. For organizations like Hindalco, Vedanta group, Diageo and PepsiCo, she visited plant after plant in remotest areas of all States and became a catalyst in changing mindsets of people who thought that women were not suitable for manufacturing units. She trained more than 1500 people in Hindalco and Vedanta factories spread across India. She made it a mission to reach to Industries where employment for women was challenging due to mindset particularly in alcohol industry.

5. Dr. Niru was invited as a speaker to “The Forum of Workplace Inclusion”, Minneapolis, one of the largest D&I Conferences in the World for two consecutive years. She has done India proud by being the only Indian invited as an expert in a Global project “DEI Futures” led by Centre for Global Inclusion, USA. Since 2017, she has been organizing Large Global Summits with The United Nations where for the first time ever several renowned thought leaders in the field of Diversity and Inclusion came to India. She partnered with media houses like Business World and Times of India to spread the message to many.



डॉ. नीरु कुमार

डॉ. नीरु कुमार एक मेडिकल डॉक्टर और जेंडर डायवर्सिटी कंसल्टेंट (लैंगिक विविधता परामर्शदाता) हैं। वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डायवर्सिटी और इन्क्लूजन (विविधता और समावेश) के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध शख्सियत हैं। वह विविधता और समावेश परामर्श संगठन, "आस्क इनसाइट्स" की संस्थापक हैं। वह भारत निर्वाचन आयोग के 'नो वोटर टू बी लेफ्ट बिहाइंड कैम्पेन' की राष्ट्रीय आइकन हैं।

2. 12 अक्टूबर, 1961 को जन्मी डॉ. नीरु को 3 वर्ष की उम्र में पोलियो का दौरा पड़ा जिसके कारण उनका बायां पैर लकवाग्रस्त हो गया। उन्हें बचपन से पूरे पैर के कैंलीपर्स पहनने पड़े और 16-18 साल की उम्र के बीच उनकी तीन बड़ी सर्जरी हुई। इन बाधाओं के बावजूद, उन्होंने मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया और वहाँ से एम.बी.बी.एस. डिग्री हासिल की। वह वर्ष 1987 में सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ सर्विसेज में शामिल हुई और 26 वर्षों की सेवा के बाद वर्ष 2014 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर समाजसेवा में जुट गईं।

3. 40 प्रतिशत से अधिक विकलांगता के बावजूद, डॉ. नीरु ने विविधता और समावेश के विषय का अध्ययन शुरू किया और वह इस क्षेत्र के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विचारकों से सम्पर्क करने और उनसे सीखने वाली भारत की पहली व्यक्ति थीं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, हिप्नोथैरेपी, रेकी और न्यूरोलिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र हासिल किए। भारत में विविधता और समावेश संवाद में अग्रणी होने के बाद, उन्होंने एक विविधता और समावेश परामर्श संगठन 'आस्क इनसाइट्स' की स्थापना की। वह कारपोरेट के लिए विविधता और समावेश परामर्शदाता बन गईं। उन्होंने बिना थके भारत की सुदूर और अलग-अलग जगह की यात्रा की। उन्होंने सीईओ, प्रबंधकों और फैक्टरी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया।

4. डॉ. नीरु महिला सशक्तीकरण को लेकर बहुत उत्साही हैं और उन्होंने प्रमुख संगठनों में महिला लीडर्स का सफल नेतृत्व किया है। फैक्टरियों में जिनके महत्व और उपस्थिति को लेकर लगातार सवाल उठाए जाते थे, वह उन युवा महत्वाकांक्षी महिला इंजीनियर्स की प्रवक्ता बनीं। अपनी असाधारण विशेषज्ञता और रचनात्मकता के माध्यम से उन्होंने समता और समानता सुनिश्चित करने के लिए बड़े संगठनों के लीडर्स के साथ अनगिनत बार संवाद के द्वारा पुरुषों को जागरूक किया और महिलाओं को प्रेरित किया, उनका ध्यान प्रचलित संकीर्णता की ओर दिलाया और सभी स्तर पर संवेदीकरण के द्वारा महिलाओं को काम पर रखने, बनाए रखने और आगे बढ़ाने के बारे में एक कारोबारी नजरिए से परिचय करवाया। उन्होंने हिंडालको, वेदांता ग्रुप, डियाजियो और पेप्सिको जैसे संगठनों के लिए सभी राज्यों के सुदूर इलाकों में मौजूद प्लांट्स का दौरा करते हुए ऐसे लोगों की मानसिकता को बदलने में भूमिका निभाई जो यह मानते थे कि महिलाएं मैनुफैक्चरिंग इकाइयों में काम नहीं कर सकतीं। उन्होंने देश भर में फैली हिंडालको और वेदांता फैक्टरियों में 1500 से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने ऐसे उद्योगों तक पहुँचना अपना मिशन बना लिया, जहाँ मानसिकता के कारण उद्योगों खास तौर पर शराब जैसे उद्योग में महिलाओं के लिए रोजगार मुश्किल था।

5. डॉ. नीरु को लगातार दो वर्ष तक दुनिया के सबसे बड़े विविधता और समावेश सम्मेलनों में से एक, 'द फोरम ऑफ वर्कप्लेस इन्क्लूजन', मिनीपोलिस में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। वह एकमात्र भारतीय हैं जिन्हें सेंटर फॉर ग्लोबल इन्क्लूजन, अमेरिका के नेतृत्व वाली एक विश्वस्तरीय परियोजना 'डीईआई फ्यूचर्स' में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। उनकी इस उपलब्धि ने भारत को गौरवान्वित किया है। वह वर्ष 2017 से, संयुक्त राष्ट्र के साथ लार्ज ग्लोबल समिट आयोजित करती रही हैं जिसमें पहली बार विविधता और समावेश के क्षेत्र के कई प्रसिद्ध विचारक भारत आए। उन्होंने लोगों के बीच इस संदेश प्रचारित करने के लिए बिजनेस वर्ल्ड और टाइम्स ऑफ इंडिया जैसे मीडिया घरानों के साथ साझेदारी की।